वीयू– मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत एफ.एफ.पी.ओ. के संचालक मंडल एवं प्रबंधकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 18–20 सितंबर का शुभारंभ माननीय कुलपति प्रोफेसर मनदीप शर्मा जी के मुख्य आतिथ्य में हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के संचालक अनुसन्धान सेवाएं डॉ. जी.पी. लखानी, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. एस.एस. तोमर, संचालक विस्तार शिक्षण डॉ. सुनील नायक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. शशिकांत महाजन जी द्वारा की गई

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जबलपुर व नरसिंहपुर जिले के करीब 40 मत्स्य उद्योग मंडल संचालक एवं प्रबंधकों सहित प्रशिक्षणार्थियों को मत्स्य प्रक्षेत्र का प्रबंधन मत्स्य कृषि में नई तकनीकी तथा मूल्य वर्धित उत्पाद जैसे मछली के कटलेट, फिश फिंगर एवं फिश चकली सहित मछली अचार बनाने की विधि को प्रायोगिक रूप से प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा समन्वयक डॉ. सोना दुबे एवं सह समन्वयक श्री शिवमोहन सिंह द्वारा तैयार की गई, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सी.बी.बी.ओ. मध्य भारत कंसोर्सटयम आफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड भोपाल मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया, जिसका क्रियान्वयन एजेंसी लघु कृषक कृषि व्यापार संघ, कृषि मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली रही। कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो मनदीप शर्मा ने प्रशिक्षणर्थियों को सम्बोधित करते

हुए कहा की कृषको की आय को दोगुना करने का लक्ष्य को साकार करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण एवं आवश्यक हैं, हम सब को इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए अनवरत सीखते रहने का प्रयास करना चाहिए, कृषक हमारे देश की अर्थव्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसे सर्वाधिक बल देने की आवश्यकता है, तभी हम विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए सक्षम बन सकेंगे। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ एस.के महाजन अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम से मत्स्य पालन के क्षेत्र में विस्तार एवं नवाचार को बल मिलेगा साथ ही साथ समेकित कृषि पद्धति एवं मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने की विधि से महिलाएं एवं मत्स्य कृषक आर्थिक रूप से संबल बन सकेंगे। इसके साथ ही कृषकों की आय को दोगुना करने के संकल्प को साकार किया जा सकेगा। कार्यक्रम में मूल्य वर्धित उत्पाद के फोल्डर का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में सहायक कुलसचिव डॉ. रामकिंकर मिश्रा, सह प्राद्यापक डॉ. माधुरी शर्मा, डॉ प्रीति मिश्रा, परियोजना प्रबंधक श्री दीपक वर्मा, टीचिंग एसोसिएट श्री अनिल केवट, सत्येंद्र कटारा, शिवानी पाठक, प्रियंका गौतम, प्रतीक कुमार तिवारी, आदित्य सिंह, हर्ष यादव तथा दीपांशु विश्नोले सहित सभी प्रशिक्षणार्थि उपस्थित रहे, मंच संचालन प्रतीक कुमार तिवारी एवं आभार डॉ. सोना दुबे द्वारा व्यक्त किया गया ।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर